तेरी कुदरत मेरे खुदा

कैसे मैं बयान करूँ

तूने शेरों के मुँह को बन्‍द किया-2

तूने लाज़र को भी जिन्‍दा किया।

तू सूली पर चढ़ा तूने जान अपनी दी

फिर से जिंदा हुआ तेरी कुदरत थी